एकवार्षिक स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा
पाठ्यक्रम

1- Year POST GRADUATE EXAMINATION SYLLABUS

आचार्य-शुक्लयजुर्वेद
Acharya-Shuklayajurveda

(Programme Code – PGO-SYV)

अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा (L.O.C.F.)

2025-2026

(वेद विभाग)

वेद-वेदाङ्ग एवं साहित्य सङ्काय

Faculty of Ved Vedanga evam Sahitya

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA

देवास मार्ग, उज्जैन (मध्यप्रदेश) भारत, पिन - 456010

Email:- regpsvvmp@rediffmail.com, Website:- www.mpsvv.ac.in

संकल्प मिश्रा

परीक्षापाठ्यक्रम नियमावली

1. **पाठ्यक्रम का स्वरूप -**

अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा (LOCF) पर आधारित एकवार्षिक आचार्य-शुक्लयजुर्वेद परीक्षा (नियमित एवं स्वाध्यायी) का पाठ्यक्रम चार सत्रार्द्धों में विभक्त होगा। पाठ्यक्रम में प्रतिसत्रार्द्ध 5 प्रश्नपत्र होंगे। 5-5 क्रेडिट के चार अनिवार्य प्रश्नपत्र मूल विषय के होंगे। पाँचवें प्रश्नपत्र के रूप में 2 क्रेडिट के प्रशिक्षुता/सङ्गोष्ठी/मूल्याधारित पाठ्यक्रम आदि शासन द्वारा जारी अध्यादेश 14 (2) के अनुसार होंगे। छात्रों द्वारा VAC पाठ्यक्रम अन्य विषय से भी चयन किये जा सकेंगे। पाठ्यक्रम में प्रथम 4 प्रश्नपत्रों हेतु पूर्णाङ्क 100 है। जिसमें 40 अङ्कों का आन्तरिक मूल्याङ्कन तथा 60 अङ्कों की सैद्धान्तिक (बाह्य) परीक्षा होगी।

2. प्रवेशनियम

द्विवार्षिक आचार्य-शुक्लयजुर्वेद परीक्षा में निम्नलिखित परीक्षोत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे -

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) त्रिवार्षिक स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।

3. परीक्षायोजना

1. द्विवार्षिक आचार्य-शुक्लयजुर्वेद परीक्षा का माध्यम हिन्दी अथवा संस्कृत होगा। परियोजना प्रतिवेदन/लघुशोधप्रबन्ध की भाषा भी संस्कृत अथवा हिन्दी होगी।

4. प्रश्नपत्रनिर्माणयोजना -

मुख्य पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	**प्रश्नप्रकार**	**प्रश्नसङ्ख्या**	**अङ्क**	**योग**
1	बहुविकल्पकीय	5	1	5
2	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	3	15
3	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	8	40

संकल्प मिश्र

4	आन्तरिकमूल्याङ्कन			40
योग				100 अङ्क

VAC पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसङ्ख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पकीय	5	2	10
2	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	6	30
3	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	12	60
योग				100 अङ्क

5. ग्रेडिंगपद्धति-

द्विवार्षिक आचार्य-शुक्लयजुर्वेद परीक्षा में परीक्षाफल प्रकाशन में ग्रेडिंग पद्धति अपनायी जाएगी।

संकल्प मिश्र

CONVERSION OF MARKS INTO GRADE AND GRADE POINT			
MARKS OBTAINED	GRADE	GRADE POINT	DESCRIPTION
> 90%	O	10	Outstanding
> 80%	A+	9	Excellent
>70%	A	8	Very Good
>60%	B+	7	Good
>50%	B	6	Above Average
>40%	C	5	Average
40%	P	4	Pass
<40%	F	0	Fail
Ab	Ab	0	Absent

Equivalent Percentage= CGPA X 10

The Maximum Marks per paper is fixed at 100

(If it is less or more than 100, convert it into 100 for grading)

Cumulative Grade Point Average

Based on the grades obtained in all the subjects registered for by a student, his or her cumulative Grade point Average Semester Grade Point Average (SGPA) and Cumulative Grade

Point Average (CGPA) is calculated as follows:

$$\text{SGPA/CGPA} = \frac{\sum (\text{No. of credits} * \text{Grade Point})}{\sum \text{No. of Credits}}$$

SGPA/CGPA is rounded off to the decimal Place.

- जो छात्र किसी सत्रार्द्ध के कुछ पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) में अनुत्तीर्ण होते हैं, किन्तु यदि वे सत्रार्द्ध के कुल क्रेडिट (22) का 40% (अर्थात् 9 क्रेडिट) प्राप्त कर लेते हैं, तो उन्हें अनन्तिम रूप से अग्रिम सत्रार्द्ध में प्रोन्नत किया जावेगा तथा अनुत्तीर्ण पाठ्यक्रमों में उन्हें **एटीकेटी** प्राप्त होगी।
- शोध प्रबन्ध/परियोजना/सङ्गोष्ठी को पूर्ण न कर सके अथवा असफल रहे छात्रों को दो सत्रार्द्ध तक इन्हें दोहराने का अवसर मिलेगा। यदि दोनों सत्रार्द्ध में छात्र इन्हें पूर्ण नहीं कर सका, तो वह सम्बन्धित उपाधि का पात्र नहीं होगा।

6. उपलब्ध स्थान -

उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थान प्रवेश अधिसूचना द्वारा निर्धारित होंगे। प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों पर राज्यशासन के नियमानुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा। अधिक प्रवेशार्थी होने की स्थिति में प्रत्येक सत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन से स्थानवृद्धि की स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

7. शुल्क -

छात्रों का प्रवेश शुल्क, परीक्षा तथा अन्य विभिन्न गतिविधियों का शुल्क विश्वविद्यालय के सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक होने पर संशोधित किया जा सकेगा।

8. परीक्षा सञ्चालन एवं उपाधि की पात्रता -

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की परीक्षा का सञ्चालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्बन्धित अध्यादेशों में विहित प्रावधानों के अनुसार किया जायेगा। उक्त स्नातकोत्तर परीक्षा पूर्ण करने के पश्चात् उत्तीर्ण होने पर एकवार्षिक **आचार्य-शुक्लयजुर्वेद** की उपाधि प्रदान की जाएगी।

संकल्प मिश्र

9. अवधि-

अध्यादेश 14 (2) के अनुसार द्विवार्षिक स्नातकोत्तर **उपाधि** कार्यक्रम को अधिकतम एक वर्षों में पूर्ण करना अनिवार्य है।

10. सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम सञ्चालन- छात्रों द्वारा प्रथम अथवा तृतीय सत्रार्द्ध हेतु सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम चयन किये जाने पर विभागाध्यक्ष द्वारा सम्बद्ध विषय में मुख्य चार पाठ्यक्रमों पर आधारित सङ्गोष्ठी शीर्षकों की विस्तृत सूची जारी की जावेगी, जिन पर कक्षा में विमर्श किया जावे। परीक्षा आन्तरिक मूल्याङ्कन द्वारा सम्पादित की जावेगी। तृतीय सत्रार्द्ध के जो भी छात्र सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम स्वीकार करेंगे, उन्हें उस सत्रार्द्ध की अवधि में राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की न्यूनतम एक सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद में सहभागिता करना अनिवार्य होगा तथा सम्बन्धित सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद का प्रतिवेदन, प्रमाणपत्र एवं शोधपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा।

11. कार्यक्रम योजना

5. कार्यक्रम योजना

वर्ष/ सत्रार्द्ध		पाठ्यक्रम प्रकार				कुल क्रेडिट
		मुख्य पाठ्यक्रम एवं क्रेडिट			इन्टर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ सङ्गोष्ठी अथवा VAC (CHM/ EEMC)	
		पाठ्यक्रम स्तर	मुख्य पाठ्यक्रम	क्रेडिट		
विकल्प- 1 (केवल पाठ्यक्रम कार्य)						
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	500	CC-31 भाष्यं श्रौतसूत्रं च	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-32 शतपथब्राह्मणम्	5		
		500	CC-33 बृहद्देवता शुल्बसूत्रं च	5		
		500	CC-34 बृहदारण्यकोपनिषद्	5		
	द्वि	500	CC-41 वेददीपभाष्यं श्रौतसूत्रं च	5	VAC (CHM/	22

संकल्प मिश्र

	तीय सत्रार्द्ध	500	CC-42 अर्थसंग्रहः भाष्यभूमिका च	5	EEMC) (2 क्रेडिट)	
		500	CC-43 वैदिकदेवता	5		
		500	CC-44 विकृतिपाठः उपनिषच्च * अथवा लघुशोधप्रबन्ध	5		
विकल्प- 2 (पाठ्यक्रम कार्य एवं शोध कार्य)						
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	500	CC-31 भाष्यं श्रौतसूत्रं च	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-32 शतपथब्राह्मणम्	5		
		500	CC-33 बृहद्देवता शुल्बसूत्रं च	5		
		500	CC-34 बृहदारण्यकोपनिषद्	5		
	द्वितीय सत्रार्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				22
विकल्प- 3 (केवल शोध कार्य)						
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				**22**
	द्विती	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				**22**

संकल्प मिश्र

	य स त्रा ई		

12. पाठ्यक्रम प्रकार

मुख्य पाठ्यक्रम (Core Course) CC- किसी विषय/कार्यक्रम का अनिवार्य पाठ्यक्रम जिसका उद्देश्य विषय/कार्यक्रम का आवश्यक मौलिक, व्यापक और उन्नत ज्ञान प्रदान करना है।

मूल्य-संवर्धित पाठ्यक्रम (Value-Added Course) VAC - मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम विशिष्ट पाठ्यक्रम होते हैं जो छात्रों को नियमित पाठ्यक्रम से परे, किसी विशिष्ट क्षेत्र में अतिरिक्त कौशल, ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों की रोज़गार क्षमता, करियर की संभावनाओं और व्यक्तिगत विकास को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

संवैधानिक, मानवीय और नैतिक मूल्य (Constitutional, Human and Moral) CHM- ये 'मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम' हैं जिनका उद्देश्य संवैधानिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्यों तथा बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर शिक्षा एवं अभ्यास प्रदान करना है।

रोजगार एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम (Employability and Entrepreneurship Skill Course) EEMC- रोजगार योग्यता एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम एक ऐसा पाठ्यक्रम है, जिसका उद्देश्य रोजगार योग्यता कौशल को बढ़ाना और प्रमुख व्यक्तिगत विशेषताओं को विकसित करना है, जो रोजगार क्षमता पैदा करने और कार्यस्थल पर प्रभावी प्रदर्शन के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक हैं।

प्रशिक्षुता (Internship)- इंटर्नशिप किसी व्यक्ति द्वारा किसी संगठन में काम करने के ढङ्ग को समझने के अतिरिक्त, किसी विशिष्ट कार्य या भूमिका के लिए कौशल योग्यता में सुधार और सीखने के अवसरों के साथ-साथ शोध क्षमताओं का निर्माण करने के लिए भी की जाती है। इंटर्नशिप इस प्रकार आयोजित की जानी चाहिए कि इससे इंटर्न के साथ-साथ इंटर्नशिप प्रदान करने वाले संगठन को भी लाभ हो।

संकल्प मिश्र

कार्यस्थल के लिए आवश्यक सही दृष्टिकोण के साथ व्यावहारिक अनुभव और अनुभव विकसित करके स्नातकोत्तरों की रोजगार क्षमता में सुधार किया जा सकता है। इंटर्नशिप उन महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक है जो इन रोजगार कौशलों को बेहतर बनाने में मदद करते हैं और छात्रों में रोजगार के लिए योग्यता, क्षमता, पेशेवर कार्य कौशल, विशेषज्ञता और आत्मविश्वास पैदा करने और शोध के प्रति रुचि/जुनून विकसित करने में मदद कर सकते हैं। इंटर्न कार्यस्थल में सिद्धांत के अनुप्रयोग को समझ सकते हैं। इंटर्नशिप को मोटे तौर पर दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है-

i. रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए इंटर्नशिप

ii. शोध योग्यता विकसित करने के लिए इंटर्नशिप

शिक्षुता (Apprenticeship) - शिक्षुता प्रशिक्षण किसी भी उद्योग या प्रतिष्ठान में प्रशिक्षण का एक कोर्स है, जो नियोक्ता और शिक्षुओं के बीच शिक्षुता के अनुबंध के अनुसरण में और निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार किया जाता है।

सङ्गोष्ठी (Seminar) – सङ्गोष्ठी गतिविधि आधारित पाठ्यक्रम हैं, जिनमें छात्र सामान्यतः अपनी कक्षा में तैयार किए गए प्रदत्त कार्य (Assignments), परियोजना (Project) / विषय बिन्दु तथा शीर्षक आधारित चर्चा (Theme & Topics) करते हैं।

संकल्प मिश्र

एकवार्षिक आचार्य-शुक्लयजुर्वेद उपाधि सत्रार्द्धपरीक्षा पाठ्यक्रम

Acharya-Shuklayajurveda

Syllabus

(Programme Code – PGO-SYV)

प्रथम सत्रार्द्ध

2025-2026

(वेद विभाग)

वेद-वेदाङ्ग एवं साहित्य सङ्काय

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

देवास मार्ग, उज्जैन (मध्यप्रदेश) भारत, पिन - 456010

Email:- regpsvvmp@rediffmail.com, Website:- www.mpsvv.ac.in

संकल्प मिश्र

भागः अ – **परिचयः**			
कार्यक्रम : **उपाधिः**	कक्षा : **द्विवर्षीयः आचार्यः (स्नातकोत्तरः)**	सत्रार्द्धः **तृतीयः**	सत्रम् **: 2025-26**
विषय : **शुक्लयजुर्वेदः**			

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः	PGT-SYV31	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षकः	**भाष्यं श्रौतसूत्रं च**	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः	मुख्यविषयः (प्रथमप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वापेक्षा **(Pre-requisite)**(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (**CLO**)	1. अग्निचयनस्य ज्ञानं भविष्यति। 2. यागस्वरूपस्य ज्ञानं भविष्यति। 3. यज्ञस्याधिकारिविषये निपुणाः भविष्यन्ति।	
6.	क्रेडिटमानम्	**05** क्रेडिट	
7.	पूर्णाकाः	अधिकतमाङ्काः 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णांकाः 40

भागः ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु		
व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : **L-T-P**		
एककः	**विषयः**	**व्याख्यानानां संख्या**
1	वेददीपभाष्यम् एकादशोऽध्यायः 1-40 मन्त्रं यावत् **गतिविधिः** निबन्धलेखनम्	**15**
2	वेददीपभाष्यम् एकादशोऽध्यायः 41-83 मन्त्रं यावत् **गतिविधिः** याज्ञिकप्रक्रियाधारितसामग्रीनां सूचीकरणम्	**15**
3	कात्यायनश्रौतसूत्रस्य प्रथमाध्यायस्य 1-3 कण्डिकापर्यन्तम् **गतिविधिः** परिभाषाणां विभागानुगुणं तालिकानिर्माणम्	**15**
4	कात्यायनश्रौतसूत्रस्य प्रथमाध्यायस्य 4-6 कण्डिकापर्यन्तम् **गतिविधिः** प्रतिपाद्याधारितयागविश्लेषणम्	**15**
5	कात्यायनश्रौतसूत्रस्य प्रथमाध्यायस्य 7-10 कण्डिकापर्यन्तम् **गतिविधिः** प्रश्नोत्तरी	**15**
सारबिन्दुः(की वर्ड/टैग) : यजुर्वेदभाष्यम्, वेददीपभाष्यम्, श्रौतसूत्रम्, यागः		

संकल्प मिश्र

भाग: स – अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. शुक्लयजुर्वेदसंहिता समहीधरभाष्यम्, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
2. कात्यायनश्रौतसूत्रम्, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

1. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्षः- ऑनलाईनपाठ्यक्रमः-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in

भाग: द – अनुशंसितमूल्यांकनविधय:

अनुशंसितसततमूल्यांकनविधय: - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधि:, वाग्व्यवहारविधि:
अधिकतमांक : 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् (**CCE**) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (**UE**) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांका: 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग: (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्ना: 5×1=5 अनुभाग: (ब) : लघूत्तरीयप्रश्ना: 5×3=15 अनुभाग: (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्ना: 5×8=40	पूर्णांका: 60

टिप्पणी :

संकल्प मिश्र

भाग: अ – **परिचय:**			
कार्यक्रम : **उपाधि:**	कक्षा : **द्विवर्षीय: आचार्य: (स्नातकोत्तर:)**	सत्रार्द्ध: **तृतीय:**	सत्रम् **: 2025-26**

विषय : **शुक्लयजुर्वेद:**			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूट:	PGT-SYV32	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षक:	**शतपथब्राह्मणम्**	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकार:	मुख्यविषय: (द्वितीयप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वापेक्षा **(Pre-requisite)**(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णा: तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णा: वा प्रवेष्टुमर्हा:।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धि: (**CLO**)	1. अग्ने: प्रकारविषये ज्ञानं भविष्यति। 2. विभिन्नाख्यानानां बोध: भविष्यति। 3.यागस्य नियमानां ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	**05** क्रेडिट	
7.	पूर्णाका:	अधिकतमाङ्का: 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णांका: 40

भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु		
व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : **L-T-P**		
एकक:	**विषय:**	**व्याख्यानानां संख्या**
1	शतपथब्राह्मणप्रथमकाण्डस्य द्वितीयाध्यायस्य प्रथमं ब्राह्मणम् **गतिविधि:** निबन्धलेखनम्	**15**
2	शतपथब्राह्मणप्रथमकाण्डस्य द्वितीयाध्यायस्य द्वितीयं ब्राह्मणम् **गतिविधि:** याज्ञिकप्रक्रियाधारितसामग्रीनां सूचीकरणम्	**15**
3	शतपथब्राह्मणप्रथमकाण्डस्य द्वितीयाध्यायस्य तृतीयं ब्राह्मणम् **गतिविधि:** यागपात्राणां चित्रनिर्माणम्	**15**
4	शतपथब्राह्मणप्रथमकाण्डस्य द्वितीयाध्यायस्य चतुर्थं ब्राह्मणम् **गतिविधि:** प्रतिपाद्याधारितकथालेखनम्	**15**
5	शतपथब्राह्मणप्रथमकाण्डस्य द्वितीयाध्यायस्य पञ्चमं ब्राह्मणम् **गतिविधि:** प्रश्नोत्तरी	**15**
सारबिन्दु:(की वर्ड/टैग) : शतपथब्राह्मणम्, ब्राह्मणम, माध्यन्दिनशतपथब्राह्मणम्		

संकल्प मिश्र

भाग: स – अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्था:, अन्यसंसाधनानि

क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. शतपथब्राह्मणम्, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय:, वाराणसी

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

1. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष:- ऑनलाईनपाठ्यक्रम:-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in

भाग: द – अनुशंसितमूल्यांकनविधय:

अनुशंसितसततमूल्यांकनविधय: - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधि:, वाग्व्यवहारविधि:
अधिकतमांक : 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् (**CCE**) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (**UE**) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(**CCE**) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांका: 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग: (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्ना: 5×1=5 अनुभाग: (ब) : लघूत्तरीयप्रश्ना: 5×3=15 अनुभाग: (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्ना: 5×8=40	पूर्णांका: 60

टिप्पणी :

संकल्प मिश्र

<table>
<tr><td colspan="5">भाग: अ – **परिचय:**</td></tr>
<tr><td colspan="2">कार्यक्रम : **उपाधि:**</td><td>कक्षा : **द्विवर्षीय: आचार्य: (स्नातकोत्तर:)**</td><td>सत्रार्द्ध: **तृतीय:**</td><td>सत्रम् **: 2025-26**</td></tr>
<tr><td colspan="5">विषय : **शुक्लयजुर्वेद:**</td></tr>
<tr><td>**1.**</td><td>पाठ्यक्रमस्य कूट:</td><td colspan="3">PGT-SYV33</td></tr>
<tr><td>**2.**</td><td>पाठ्यक्रमस्य शीर्षक:</td><td colspan="3">**बृहद्देवता शुल्बसूत्रं च**</td></tr>
<tr><td>**3.**</td><td>पाठ्यक्रमस्य प्रकार:</td><td colspan="3">मुख्यविषय: (तृतीयप्रश्नपत्रम्)</td></tr>
<tr><td>**4.**</td><td>पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite**)(यद्यस्ति काचित्)</td><td colspan="3">विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णा: तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णा: वा प्रवेष्टुमर्हा:।</td></tr>
<tr><td>**5.**</td><td>पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धि: (**CLO**)</td><td colspan="3">1. अत्रे: दानस्तुतिविषये ज्ञानं भविष्यति।
2. इन्द्रगृत्समदयो: आख्यानस्य ज्ञानं भविष्यति।
3. अङ्गुलादिमानस्य बोध: भविष्यति।</td></tr>
<tr><td>**6.**</td><td>क्रेडिटमानम्</td><td colspan="3">**05** क्रेडिट</td></tr>
<tr><td>**7.**</td><td>पूर्णाका:</td><td colspan="2">अधिकतमाङ्का: 40+60</td><td>न्यूनतमोत्तीर्णांका: 40</td></tr>
<tr><td colspan="5">भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु</td></tr>
<tr><td colspan="5">व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : **L-T-P**</td></tr>
<tr><td>**एकक:**</td><td colspan="3">**विषय:**</td><td>**व्याख्यानानां संख्या**</td></tr>
<tr><td>1</td><td colspan="3">बृहद्देवता पञ्चमोऽध्याय:
गतिविधि: निबन्धलेखनम्</td><td>**15**</td></tr>
<tr><td>2</td><td colspan="3">बृहद्देवता षष्ठोऽध्याय:
गतिविधि: स्वभाषायां कथाकथनम्</td><td>**15**</td></tr>
<tr><td>3</td><td colspan="3">कात्यायनशुल्बसूत्रस्य चतुर्थी कण्डिका
गतिविधि: यागानुगुणं आवश्यकतालिकानिर्माणम्</td><td>**15**</td></tr>
<tr><td>4</td><td colspan="3">कात्यायनशुल्बसूत्रस्य पञ्चमी कण्डिका
गतिविधि: प्रदत्तविधिमवलम्ब्य क्षेत्रनिर्माणम्</td><td>**15**</td></tr>
<tr><td>5</td><td colspan="3">कात्यायनशुल्बसूत्रस्य षष्ठी कण्डिका
गतिविधि: प्रश्नोत्तरी</td><td>**15**</td></tr>
<tr><td colspan="5">**सारबिन्दु:(की वर्ड/टैग) :** देवशास्त्रम्, बृहद्देवता, शुल्बसूत्रम्</td></tr>
</table>

संकल्प मिश्र

भाग: स – अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि
पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्था:, अन्यसंसाधनानि

क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. बृहद्देवता, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. कात्यायनशुल्बसूत्रम्, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

1. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष:- ऑनलाईनपाठ्यक्रम:-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in

भाग: द – अनुशंसितमूल्यांकनविधय:

अनुशंसितसततमूल्यांकनविधय: - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधि:, वाग्व्यवहारविधि:
अधिकतमांक : 100
सततव्यापकमूल्यांकनम् (**CCE**) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (**UE**) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(**CCE**) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांका: 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग: (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्ना: 5×1=5 अनुभाग: (ब) : लघूत्तरीयप्रश्ना: 5×3=15 अनुभाग: (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्ना: 5×8=40	पूर्णांका: 60

टिप्पणी :

संकल्प मिश्र

भाग: अ – **परिचय:**			
कार्यक्रम : **उपाधि:**	कक्षा : **द्विवर्षीय: आचार्य: (स्नातकोत्तर:)**	सत्रार्द्ध: **तृतीय:**	सत्रम् **: 2025-26**

विषय : **शुक्लयजुर्वेद:**			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूट:	PGT-SYV34	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षक:	**बृहदारण्यकोपनिषद्**	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकार:	मुख्यविषय: (चतुर्थप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वापेक्षा **(Pre-requisite)**(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णा: तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णा: वा प्रवेष्टुमर्हा:।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धि: (**CLO**)	**1.** सृष्ट्युत्पत्तिविषये बोध: भविष्यति। 2. प्राणमहिम्नःज्ञास्यति। 3. ब्रह्मण: मूर्तामूर्तस्वरूपयो: ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	**05** क्रेडिट	
7.	पूर्णाका:	अधिकतमाङ्का: 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णांका: 40

भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु		
व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : **L-T-P**		
एकक:	**विषय:**	**व्याख्यानानां संख्या**
1	बृहदारण्यकोपनिषद् प्रथमोऽध्याय: 1-2 ब्राह्मणम् **गतिविधि:** निबन्धलेखनम्	**15**
2	बृहदारण्यकोपनिषद् प्रथमोऽध्याय: 3-4 ब्राह्मणम् **गतिविधि:** याज्ञिकप्रक्रियाधारितसामग्रीनां सूचीकरणम्	**15**
3	बृहदारण्यकोपनिषद् प्रथमोऽध्याय: 5-6 ब्राह्मणम् **गतिविधि:** यागानां विभागानुगुणं तालिकानिर्माणम्	**15**
4	बृहदारण्यकोपनिषद् द्वितीयोऽध्याय: 1-3 ब्राह्मणम् **गतिविधि:** सूक्ताधारितकथालेखनम्	**15**
5	बृहदारण्यकोपनिषद् द्वितीयोऽध्याय: 4-6 ब्राह्मणम् **गतिविधि:** प्रश्नोत्तरी	**15**
सारबिन्दु:(की वर्ड/टैग) : बृहदारण्यकोपनिषद्, उपनिषद्, बृहदारण्यकम्		

संकल्प मिश्र

भाग: स – अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्था:, अन्यसंसाधनानि

क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. बृहदारण्यकोपनिषद्, गीताप्रेस , गोरखपुर

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

1. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष:- ऑनलाईनपाठ्यक्रम:-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in

भाग: द – अनुशंसितमूल्यांकनविधय:

अनुशंसितसततमूल्यांकनविधय: - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधि:, वाग्व्यवहारविधि:
अधिकतमांक : 100
सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांका: 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग: (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्ना: 5×1=5 अनुभाग: (ब) : लघूत्तरीयप्रश्ना: 5×3=15 अनुभाग: (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्ना: 5×8=40	पूर्णांका: 60

टिप्पणी :

संकल्प मिश्र

एकवार्षिक आचार्य-शुक्लयजुर्वेद सत्रार्द्धपरीक्षा पाठ्यक्रम

Acharya-Shuklayajurveda

Syllabus

(Programme Code – PGO-SYV)

द्वितीय सत्रार्द्ध

2025-2026

(वेद विभाग)

वेद-वेदाङ्ग एवं साहित्य सङ्काय

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

देवास मार्ग, उज्जैन (मध्यप्रदेश) भारत, पिन - 456010

Email:- regpsvvmp@rediffmail.com, Website:- www.mpsvv.ac.in

संकल्प मिश्र

भागः अ – **परिचयः**			
कार्यक्रम : **उपाधिः**	कक्षा : **द्विवर्षीयः आचार्यः (स्नातकोत्तरः)**	सत्रार्द्धः **चतुर्थः**	सत्रम् **: 2025-26**

विषय : **शुक्लयजुर्वेदः**			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः	PGT-SYV41	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षकः	**वेददीपभाष्यं श्रौतसूत्रं च**	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः	मुख्यविषयः (प्रथमप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वापेक्षा **(Pre-requisite)**(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (**CLO**)	1.रुद्रस्वरूपस्य ज्ञानं भविष्यति। 2.दर्शपूर्णमासयोः ज्ञानं भविष्यति। 3. पिण्डपितृयज्ञे कुशलाः भविष्यन्ति।	
6.	क्रेडिटमानम्	**05** क्रेडिट	
7.	पूर्णाकाः	अधिकतमाङ्काः 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णांकाः 40

भागः ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु		
व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : **L-T-P**		
एककः	**विषयः**	**व्याख्यानानां संख्या**
1	वेददीपभाष्यं षोडशोऽध्यायः 1-40 मन्त्रं यावत् **गतिविधिः** निबन्धलेखनम्	**15**
2	वेददीपभाष्यं षोडशोऽध्यायः 41-66 मन्त्रं यावत् **गतिविधिः** रुद्रनाम्नां सूचीकरणम्	**15**
3	कात्यायनश्रौतसूत्रस्य द्वितीयोऽध्यायः **गतिविधिः** यागानां विभागानुगुणं तालिकानिर्माणम्	**15**
4	कात्यायनश्रौतसूत्रस्य तृतीयोऽध्यायः **गतिविधिः** प्रक्रियाधारितविधिलेखनम्	**15**
5	कात्यायनश्रौतसूत्रस्य चतुर्थोऽध्यायः **गतिविधिः** प्रश्नोत्तरी	**15**
सारबिन्दुः(की वर्ड/टैग) : कात्यायनश्रौतसूत्रम्, भाष्यम्, शुक्लयजुर्वेदभाष्यम्		

संकल्प मिश्र

भाग: स – अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्था:, अन्यसंसाधनानि

क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. शुक्लयजुर्वेदसंहिता समहीधरभाष्यम् ,चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
2. कात्यायनश्रौतसूत्रम् ,चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

1. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष:- ऑनलाईनपाठ्यक्रम:-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in

भाग: द – अनुशंसितमूल्यांकनविधय:

अनुशंसितसततमूल्यांकनविधय: - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधि:, वाग्व्यवहारविधि:
अधिकतमांक : 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् (**CCE**) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (**UE**) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांका: 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग: (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्ना: 5×1=5 अनुभाग: (ब) : लघूत्तरीयप्रश्ना: 5×3=15 अनुभाग: (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्ना: 5×8=40	पूर्णांका: 60

टिप्पणी :

संकल्प मिश्र

भाग: अ – **परिचय:**			
कार्यक्रम : **उपाधि:**	कक्षा : **द्विवर्षीय: आचार्य: (स्नातकोत्तर:)**	सत्रार्द्धः **चतुर्थ:**	सत्रम् **: 2025-26**

विषय : **शुक्लयजुर्वेद:**		
1.	पाठ्यक्रमस्य कूट:	PGT-SYV42
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षक:	अर्थसंग्रह: भाष्यभूमिका च
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकार:	मुख्यविषय: (द्वितीयप्रश्नपत्रम्)
4.	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite**)(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णा: तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णा: वा प्रवेष्टुमर्हा:।
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धि: (**CLO**)	1. वेदपौरुषेयापौरुषेययो: बोध: भविष्यति। 2. वेदविद्याया: अधिकारीविषये ज्ञानं भविष्यति। 3. धर्माधर्मयो: विचारे समर्था: भविष्यन्ति।
6.	क्रेडिटमानम्	**05** क्रेडिट

7.	पूर्णाका:	अधिकतमाङ्का: 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णांका: 40

भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : **L-T-P**

एकक:	**विषय:**	**व्याख्यानानां संख्या**
1	निरुक्तं सप्तमोऽध्याय: **गतिविधि:** देवताविभागाधारितकथालेखनम्	**15**
2	अर्थसंग्रह: पूर्वार्द्धम् **गतिविधि:** वर्ण्यविषयाधारितसूचीकरणम्	**15**
3	अर्थसंग्रह: उत्तरार्द्धम् **गतिविधि:** विधिविभागानुगुणं तालिकानिर्माणम्	**15**
4	ऋग्वेदभाष्यभूमिका पूर्वार्द्धम् **गतिविधि:** विषयाधारितनिबन्धलेखनम्	**15**
5	ऋग्वेदभाष्यभूमिका उत्तरार्द्धम् **गतिविधि:** प्रश्नोत्तरी	**15**

सारबिन्दु:(की वर्ड/टैग) : निरुक्तम्, ऋग्वेदभाष्यभूमिका, अर्थसंग्रह:

संकल्प मिश्र

भाग: स – अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्था:, अन्यसंसाधनानि

क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. निरुक्तम्, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
2. अर्थसंग्रह: चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
3. ऋग्वेदभाष्यभूमिका चौखम्बा प्रकाशन वारणसी

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

1. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष:- ऑनलाईनपाठ्यक्रम:-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in

भाग: द – अनुशंसितमूल्यांकनविधय:

अनुशंसितसततमूल्यांकनविधय: - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधि:, वाग्व्यवहारविधि:
अधिकतमांक : 100
सततव्यापकमूल्यांकनम् (**CCE**) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (**UE**) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(**CCE**) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांका: 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग: (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्ना: 5×1=5 अनुभाग: (ब) : लघूत्तरीयप्रश्ना: 5×3=15 अनुभाग: (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्ना: 5×8=40	पूर्णांका: 60

टिप्पणी :

संकल्प मिश्र

भागः अ – **परिचयः**			
कार्यक्रम : **उपाधिः**	कक्षा : **द्विवर्षीयः आचार्यः (स्नातकोत्तरः)**	सत्रार्द्धः **चतुर्थः**	सत्रम् **: 2025-26**
विषय : **शुक्लयजुर्वेदः**			

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः	PGT-SYV43	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षकः	**वैदिकदेवता**	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः	मुख्यविषयः (तृतीयप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वापेक्षा **(Pre-requisite)**(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (**CLO**)	1. घोषाख्यानस्य ज्ञानं भविष्यति। 2. देवाप्याख्यानस्य ज्ञानं भविष्यति। 3. सुबन्धोः कथायाः ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	**05** क्रेडिट	
7.	पूर्णाकाः	अधिकतमाङ्काः 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णांकाः 40

भागः ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु		
व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : **L-T-P**		
एककः	**विषयः**	**व्याख्यानानां संख्या**
1	बृहद्देवता सप्तमोऽध्यायः **गतिविधिः** निबन्धलेखनम्	**15**
2	बृहद्देवता अष्टमोऽध्यायः **गतिविधिः** याज्ञिकप्रक्रियाधारितसामग्रीनां सूचीकरणम्	**15**
3	वैदिकदेवतानां स्वरूपम् **गतिविधिः** यागानां विभागानुगुणं तालिकानिर्माणम्	**15**
4	वैदिकदेवतानां विभागः **गतिविधिः** सूक्ताधारितकथालेखनम्	**15**
5	वैदिकदेवतानां परिचयः **गतिविधिः** प्रश्नोत्तरी	**15**
सारबिन्दुः(की वर्ड/टैग) : वैदिकदेवता, बृहद्देवता, देवशास्त्रम्		

संकल्प मिश्र

भाग: स – अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. बृहद्देवता चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
2. वैदिकदेवशास्त्र,चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

1. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्षः- ऑनलाईनपाठ्यक्रमः-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in

भाग: द – अनुशंसितमूल्यांकनविधय:

अनुशंसितसततमूल्यांकनविधय: - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः, वाग्व्यवहारविधि:
अधिकतमांक : 100
सततव्यापकमूल्यांकनम् (**CCE**) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (**UE**) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांका: 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग: (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्ना: 5×1=5 अनुभाग: (ब) : लघूत्तरीयप्रश्ना: 5×3=15 अनुभाग: (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्ना: 5×8=40	पूर्णांका: 60

टिप्पणी :

संकल्प मिश्र

भाग: अ – **परिचय:**			
कार्यक्रम : **उपाधि:**	कक्षा : **द्विवर्षीय: आचार्य: (स्नातकोत्तर:)**	सत्रार्द्धः **चतुर्थ:**	सत्रम् **: 2025-26**

विषय : **शुक्लयजुर्वेद:**			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूट:	PGT-SYV44	
2.	पाठ्यक्रमस्य शीर्षक:	**विकृतपाठ: उपनिषच्च**	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकार:	मुख्यविषय: (चतुर्थप्रश्नपत्रम्)	
4.	पूर्वापेक्षा **(Pre-requisite)**(यद्यस्ति काचित्)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णा: तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णा: वा प्रवेष्टुमर्हा:।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धि: (**CLO**)	1. ब्रह्मण: उपासनाया: ज्ञानं भविष्यति। 2. पदक्रमजटापाठानां बोध: भविष्यति। 3. विकृतिपाठे कुशला: भविष्यन्ति।	
6.	क्रेडिटमानम्	**05** क्रेडिट	
7.	पूर्णाका:	अधिकतमाङ्का: 40+60	न्यूनतमोत्तीर्णांका: 40

भाग: ब – पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु		
व्याख्यानानां संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रतिसप्ताहं – होरात्रयम्) : **L-T-P**		
एकक:	**विषय:**	**व्याख्यानानां संख्या**
1	बृहदारण्यकोपनिषद् तृतीयोऽध्याय: **गतिविधि:** निबन्धलेखनम्	**15**
2	बृहदारण्यकोपनिषद् चतुर्थोऽध्याय: **गतिविधि:** याज्ञिकप्रक्रियाधारितसामग्रीनां सूचीकरणम्	**15**
3	पञ्चपाठपौरुषाध्याय: पदपाठ: **गतिविधि:** यागानां विभागानुगुणं तालिकानिर्माणम्	**15**
4	पञ्चपाठपौरुषाध्याय: क्रमपाठ: **गतिविधि:** सूक्ताधारितकथालेखनम्	**15**
5	पञ्चपाठपौरुषाध्याय: जटापाठ: **गतिविधि:** प्रश्नोत्तरी	**15**
सारबिन्दु:(की वर्ड/टैग) : विकृतिपाठ:, बृहदारण्यकोपनिषद्, पंचपाठपौरुषाध्याय:		

संकल्प मिश्र

भागः स – अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि
पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

क. अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1 .बृहदारण्यकोपनिषद्, गीताप्रेसगोरखपुर

2. पञ्चपाठपौरुषाध्यायः,चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

1. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्षः- ऑनलाईनपाठ्यक्रमः-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in

भागः द – अनुशंसितमूल्यांकनविधयः

अनुशंसितसततमूल्यांकनविधयः - लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः, वाग्व्यवहारविधिः
अधिकतमांक : 100
सततव्यापकमूल्यांकनम् (**CCE**) अंकः 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (**UE**) अंकः 60

आन्तरिकमूल्यांकनम् : सततव्यापकमूल्यांकनम्(CCE) :	कक्षापरीक्षणम् Assignment/प्रस्तुतीकरणम्	पूर्णांकाः 40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभागः (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्नाः 5×1=5 अनुभागः (ब) : लघूत्तरीयप्रश्नाः 5×3=15 अनुभागः (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः 5×8=40	पूर्णांकाः 60

टिप्पणी :

संकल्प मिश्र